भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

## खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

राज्‍य सभा

अतारांकित प्रश्‍न संख्या 1449

5 दिसम्‍बर, 2011 के लिए प्रश्‍न

**चावल और गेहूं की खरीद और स्टॉक**

1449. श्री बलवंत उर्फ बाल आपटे:

श्री अनिल माधव दवे:

क्या उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) चालू वर्ष के दौरान चावल और गेहूं का कितना उत्पादन होने का अनुमान है;

(ख) गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान कितनी मात्रा में उक्त वस्तुओं की खरीद की गई और उक्त अवधि के दौरान सरकार के पास कुल कितना स्टॉक मौजूद रहा;

(ग) क्या उक्त मात्रा देश की आवश्यकता को पूरा करने और कीमतों को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार)

(प्रो0 के0वी0 थॉमस)

**(क)**: 2010-11 के दौरान 859.28 लाख टन गेहूं का उत्‍पादन हुआ था। प्रथम अग्रिम अनुमान (केवल खरीफ) के अनुसार 2011-12 के दौरान 871.02 लाख टन चावल का उत्‍पादन होने का अनुमान है।

**(ख)**: पिछले 3 वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान गेहूँ और चावल की खरीद के ब्‍यौरे निम्‍नानुसार है:-

( लाख टन में )

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **फसल वर्ष** | **चावल की खरीद** | **गेहूं की खरीद** | |
|
| **रबी विपणन मौसम** | **खरीद** |
| **2008-09** | 341.04 | 2009-10 | 253.81 |
| **2009-10** | 320.34 | 2010-11 | 225.14 |
| **2010-11** | 341.95\* | 2011-12 | 281.44 |
| **2011-12** | 112.08\* |  |  |

\* 29.11.2011 की स्‍थिति के अनुसार

**.........2..**

**- 2 –**

पिछले 3 वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान सरकार के पास उपलब्‍ध गेहूँ और चावल का कुल स्‍टाक निम्‍नानुसार है :-

( लाख टन में )

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| निम्‍न तारीख को | गेहूं | चावल | जोड़ |
| 1.4.2008 | 58.03 | 138.35 | 196.38 |
| 1.4.2009 | 134.29 | 216.04 | 350.33 |
| 1.4.2010 | 161.25 | 267.13 | 428.38 |
| 1.4.2011 | 153.64 | 288.20 | 441.84 |

**(ग) और (घ):**  1-10-2011 की स्‍थिति के अनुसार केन्‍द्रीय पूल में 314.26 लाख टन गेहूं और 203.59 लाख टन चावल उपलबध है जबकि न्‍यूनतम बफर मानदंड 140 लाख टन गेहूं और 72 लाख टन चावल है। खाद्यान्‍नों का यह स्‍टाक देश की सार्वजनिक वितरण प्रणाली की मांग पूरा करने और मूल्‍यों को नियंत्रण में रखने के लिए पर्याप्‍त समझा जाता है।

\*\*\*\*\*\*\*